



# इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में विराट की वापसी के बाद ईशान नंबर 4 पर बल्लेबाजी करें : रायडू

हैदराबाद

पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायडू ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीनों मैचों की एकदिवसीय सीरीज में विराट कोहली की वापसी को देखते हुए बल्लेबाज ईशान को चौथे नंबर पर उतारा जाना चाहिये। रायडू के अनुसार ईशान बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं जिससे ईशान स्पिन और तेज गेंदबाजी दोनों के खिलाफ प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। रायडू ने ईशान किशन के हाला के अच्छे प्रदर्शन की तारीफ की और कहा कि अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज

में उनकी बल्लेबाजी काफी अच्छी थी। धर्मशाला में 34 रन और लखनऊ में 125 रन की अपनी पारियों से इस बल्लेबाज ने अपने को साबित किया है। रायडू के विश्लेषण के मुताबिक, विराट कोहली के नंबर-3 पर लौटने के बाद, ईशान के लिए नंबर-4 सबसे उपयुक्त स्थान होगा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि नंबर-4 पर ईशान किशन और नंबर-5 पर श्रेयस अय्यर की जोड़ी भारत के मध्यक्रम को बेहद मजबूत और स्थिर बना सकती है। रायडू ने विराट कोहली को मानसिक दृढ़ता और फिटनेस को जमकर तारीफ की। रायडू ने

कहा कि विराट अपनी तैयारी, फिटनेस और प्रक्रिया को लेकर बेहद अनुशासित हैं। उन्हें हमेशा पता होता है कि खराब दौर हमेशा नहीं रहेगा। उनकी यह लगन युवा खिलाड़ियों के लिए एक नया मानक स्थापित करती है। कई क्रिकेटरों ने उनसे प्रेरणा लेकर अपने करियर को बेहतर बनाया है। वहीं रायडू ने कहा कि 2027 एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल को लगातार अवसर दिये जाने चाहिये। उन्होंने भरोसा जताया कि है कि रोहित 2027 विश्व कप की योजनाओं का एक अभिन्न

हिस्सा रहेंगे। रायडू ने कहा कि उनका अनुभव टीम के लिए अमूल्य है और वे न केवल मैदान पर, बल्कि ड्रेसिंग रूम में भी टीम का माहौल सकारात्मक बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जोर दिया कि बड़े मैचों में रोहित हमेशा ही असाधारण प्रदर्शन करते हैं। तकनीकी और शारीरिक रूप से वे पूरी तरह सक्षम हैं, और सही समय पर मानसिक रूप से खुद को तैयार करना उन्हें बखूबी आता है। रायडू ने युवा यशस्वी जायसवाल को भी भारत की भविष्य की योजनाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बताया।

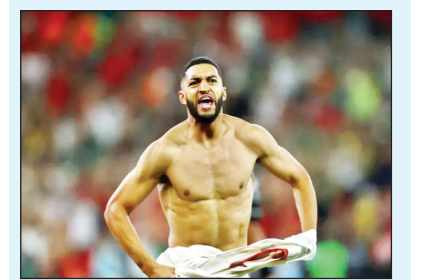
## न्यूज़ ब्रीफ

एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित, हरमनप्रीत कौर को मिली कप्तानी



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने सितंबर 2026 में जापान के ऐची-नागोया में होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए मंगलवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कप्तान एक बार फिर हरमनप्रीत कौर को सौंपी गई है, जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। भारतीय महिला टीम इस टूर्नामेंट में गत चैंपियन के रूप में उतरेगी। भारत ने 2023 में चीन के हांगझोऊ में आयोजित एशियाई खेलों में महिला क्रिकेट का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। अब टीम उस सफलता को दोहराने के इरादे से जापान जाएगी। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाओं को भी मौका दिया गया है। सलामी बल्लेबाज शोफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, विकेटकीपर ऋचा घोष और जी. कमलिनी टीम का हिस्सा हैं। वहीं गेंदबाजी विभाग में रेणुका ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, राधा यादव, श्री चरणी, क्रांति गौड़ और नदिनी शर्मा को शामिल किया गया है। हालांकि, ऑलराउंडर श्रेयाका पाटिल का चयन उनकी फिटनेस क्लियरेंस के अधीन रखा गया है। 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला टीम-हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शोफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयाका पाटिल\* (फिटनेस क्लियरेंस के अधीन), राधा यादव, नदिनी शर्मा।

## फीफा विश्व कप 2026: मोरक्को ने शूटआउट में नीदरलैंड्स को हराकर अंतिम-16 में बनाई जगह



मेक्सिको। फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में मंगलवार को मोरक्को ने रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड्स को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर अंतिम-16 में प्रवेश कर लिया। निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ था। मोरक्को के गोलकीपर यासीन बूनू ने शूटआउट में शानदार प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड्स के चौथे पेनल्टी शॉट को रोक दिया। इसके बाद इस्माइल साइबारी ने निर्णायक पेनल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम को यादगार जीत दिलाई। अब अंतिम-16 में मोरक्को का सामना कनाडा से होगा। गावपो ने दिलाई बहुत, लेकिन दियोपो ने इंजरी टाइम में किया बराबरी का गोल दूसरे हाफ के मध्य में कोडी गावपो ने गोल कर नीदरलैंड्स को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह गोल उनके लिए भावनात्मक भी रहा क्योंकि कुछ दिन पहले ही उनकी साथी ने अपने अजन्मे बच्चे के निधन की जानकारी दी थी।

## ब्राजील फीफा विश्वकप के क्वार्टर फाइनल में पहुंची, जापान को 2-1 से हराया



टेक्सस। गैब्रियल माटिनेली के शानदार गोल से ब्राजील ने जापान को 2-1 से हराकर फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के केराउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। पांच बार की खिताब विजेता ब्राजील इस मैच में अपने पुराने अंदाज में दिखी। माटिनेली के इंजरी समय के पांचवें मिनट में किये निर्णायक गोल की सहायता से उसे ये जीत मिली है। जापान ने शुरुआत से ही हमले शुरु कर दिये। मैच के 29वें मिनट में डेनिलो से मिले पास पर काइशू सानो ने एक शानदार मैदानी गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद दूसरे हाफ में वापसी करते हुए ब्राजील की टीम हावी रही और उसने जापानी रक्षापंक्ति पर दबाव बनाये रखा। दिग्गज मिडफील्डर कैसिमिरो ने 56वें मिनट में गैब्रियल मंगलहेस के क्रॉस पर हैडर से एक शानदार गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद विनीसियस जुनियर ने एक बेहतरीन मूव बनाया पर जापानी गोलकीपर जायन सुबुकी ने इसे विफल कर दिया।

# फुटबाल पर भारी निवेश के बाद भी विश्वकप में प्रभावित नहीं कर पायीं कतर और सऊदी अरब



मियामी फीफा विश्व में सऊदी अरब और कतर की टीम का प्रदर्शन बेहद रखा रहा और ये दोनों ही किसी प्रकार का प्रभाव नहीं छोड़ पायीं जबकि इन देशों ने फुटबाल के स्तर को बेहतर बनाने के लिए मोटी रकम खर्च की थी। वहीं आर्थिक बदहाली से जूझ रही अफ्रीकी टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। इससे ये साबित हो गया है कि है कि खेल में मोटी रकम का निवेश करना सफलता को गारंटी नहीं बन सकता। धनी देशों सऊदी अरब और कतर ने पिछले कुछ साल में फुटबाल के बुनियादी ढांचे पर काफी निवेश किया था। उसके क्लबों ने पिछले कुछ वर्षों में क्रिस्टियानो रोनाल्डो, नेमार जैसे स्टार खिलाड़ियों को अपने क्लबों से जोड़ा पर इसके बाद भी इनकी टीमों को विश्व कप में शर्मनाक हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा है। इसके विपरीत, बेहद सीमित संसाधनों वाले अफ्रीकी देशों ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का हैरान कर दिया है। सऊदी अरब ने अपनी फुटबाल में बदलाव लाने और उसे शीर्ष स्तर पर ले जाने के साथ ही साल 2034 में होने वाले विश्व कप की मेजबानी भी हासिल की पर विश्वकप में उसकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। टीम गुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाई और उस गुप में सबसे निचले स्थान पर रही जिसमें केप वर्दे जैसी छोटे से देश की टीम भी थी। केप वर्दे ने उसे गोलरहित ड्रा पर रोक कर विश्वकप से बाहर कर दिया। इससे सऊदी अरब को 1994 के बाद पहली बार गुप चरण से आगे बढ़ने की उम्मीदें टूट गयीं। उसने तीन मैच में दो ड्रा खेले और अपने गुप में चौथे स्थान पर रहकर बाहर हो गया। सऊदी अरब के कोच जार्जोस डोनास ने कहा, यह प्रदर्शन हमारी उम्मीद के अनुसार नहीं था क्योंकि जब हम अपने लगभग समान स्तर की टीम के खिलाफ मैच में खेलते हैं, तो हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं होता। इसलिए यह चिंता का विषय है। वहीं चार साल पहले विश्व कप की मेजबानी करने वाला कतर भी महज तीन मैचों के बाद बाहर हो गया। कतर ने रिवटजरलैंड के खिलाफ मैच के अंत में बराबरी का गोल दागकर विश्व कप में

# फीफा विश्व कप 2026: पैराग्वे ने किया बड़ा उलटफेर, जर्मनी को हराकर अंतिम-16 में किया प्रवेश



फॉक्सबोरो (बोस्टन) चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी का फीफा विश्व कप 2026 का सफर सोमवार को सनसनीखेज अंदाज में समाप्त हो गया। पैराग्वे ने 120 मिनट तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहने के बाद पेनल्टी शूटआउट में जर्मनी को 4-3 से हराकर टूर्नामेंट के अंतिम-16 में जगह बना ली। निर्णायक पेनल्टी जोसे कैनाले ने गोल में बदलकर पैराग्वे को ऐतिहासिक जीत दिलाई। यह विश्व कप इतिहास में पैराग्वे की सबसे बड़ी जीत मानी जा रही है। 2010 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली टीम ने लंबे अंतराल के बाद विश्व कप में वापसी करते हुए अब प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। अब उसका सामना फ्रांस और स्वीडन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा। जर्मनी ने मैच की शुरुआत से ही गोल पर कब्जा बनाए रखा। कोच जूलियन नागेल्समैन ने आक्रामक रणनीति अपनाते हुए इस विश्व कप में तीन गोल और दो अडिस्ट करने वाले डेविज डंडाव को पहली बार शुरुआती

## विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट



लंदन में विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में खेलती हुई बेलारूस की आर्याका सवालेंका।

# इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में वैभव को मिल सकती है जगह

सैमसन या ईशान को दिया जा सकता है आराम



लंदन श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम बुधवार को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 क्रिकेट मैच में उतरेगी। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में मिली अप्रत्याशित हार को देखते हुए इस मैच में भारतीय टीम बदलावों के साथ उतर सकती है। इसके तहत शीर्ष क्रम में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को शामिल कर सकती है। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में वैभव को कोई अवसर नहीं मिला। वहीं आयरलैंड के खिलाफ हार के बाद वैभव को अंतिम ग्यारह में शामिल करने की मांग जोर पकड़ने लगी है क्योंकि आयरलैंड के खिलाफ शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज विफल रहे थे। ऐसे में वैभव को इंग्लैंड के खिलाफ पहले

टी20 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का अवसर मिल सकता है। ऐसे में उम्मीद है कि यह वैभव भारतीय पारी की शुरुआत करेगा। वहीं कहा जा रहा है कि बल्लेबाज संजू सैमसन को पहले मैच में आराम दिया जा सकता है। सैमसन ने आयरलैंड के खिलाफ दोनों टी20 मैचों में बतौर ओपनर शुरुआत की पर वह रन नहीं बना पाये थे। पहले मुकाबले में वह केवल 5 रन जबकि दूसरे में शून्य पर ही आउट हो गये थे। अब देखा दिलचस्प होगा कि क्या संजू सैमसन विकेटकीपर-बल्लेबाज के तौर पर अंतिम ग्यारह में अपनी जगह बनाये रख पाते हैं या नहीं। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सैमसन के पास थी, जबकि दूसरे मैच में ईशान किशन ने विकेटकीपिंग की थी। ईशान की हालांकि रन नहीं बना पाये थे। वह पहले मैच में 1 रन बनाया और दूसरे में 12 रन ही बना पाए। टीम प्रबंधन शीर्ष-3 में तीन बाएं हाथ के बल्लेबाजों वैभव और अभिषेक के साथ ईशान को शायद ही उतारे। ऐसे में सैमसन को जगह

ईशान किशन को भी आराम दिया जा सकता है। दुनिया के नंबर-1 टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 में सिर्फ 20 गेंदों पर 49 रन की आक्रामक पारी खेली थी, जिससे इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच के लिए उनकी जगह लगभग पक्की मानी जा रही है। वहीं तेज गेंदबाजी विभाग में बड़े बदलाव की संभावना कम है इसमें सबकी नजरें सूर्यांशु शेडो पर होंगी। आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में डेब्यू करने वाले ऑलराउंडर का प्रदर्शन कुछ खास प्रदर्शन नहीं रहा था। ऐसे में शेडो की जगह पर वॉशिंगटन सुंदर की अंतिम ग्यारह में अवसर मिल सकता है। पहले टी20 के लिए भारत की संभावित अंतिम ग्यारह इस प्रकार हो सकती है: अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, हरिष रणगा, अशदीप सिंह, प्रिंस यादव।

# दिल्ली कैपिटल्स में वापसी से ऋषभ अपना स्वाभाविक प्रदर्शन कर पायेंगे: डिविलियर्स

बल्लेबाजी पर अधिक ध्यान दे सकेंगे

जोहान्सबर्ग दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ए बी डिविलियर्स का मानना है कि आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने जिस प्रकार से एक बार फिर अपनी पुरानी आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स में वापसी की है। वह एक रणनीतिक कदम है। इससे उनके ऊपर अधिक वेंतन को लेकर पड़ रहा दबाव कम होगा और वह अपना स्वाभाविक खेल दिखा सकेंगे। ऋषभ ने हाल ही में लखनऊ सुपर जायंट्स में मिल रहे रिकार्ड 27 करोड़ के वेंतन को छोड़कर 15 करोड़ में दिल्ली कैपिटल्स में वापसी की है। डिविलियर्स का मानना है कि वेंतन का कम दबाव पंत को अपना स्वाभाविक खेल दिखाने में सहायता कर सकता

है। पिछले सत्र में लखनऊ के साथ मतभेदों के कारण संभव नहीं हो पा रहा था। डिविलियर्स के अनुसार पिछले सत्र के दौरान ही ऋषभ की नाराजगी भी सुपरजायंट्स टीम से दिख रही थी। इससे भी उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ था। ऋषभ दो सत्र तक लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल रहे। वहीं इस बार ट्रेड करार के तहत वह दिल्ली कैपिटल्स में लौट आए हैं। ऋषभ ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत साल 2016 में दिल्ली कैपिटल्स से ही की थी। अब अगले आईपीएल सत्र में सभी की नजरें इस बात पर रहेंगी कि ऋषभ अपनी पुरानी टीम में वापसी के बाद किस तरह का



प्रदर्शन करते हैं और दिल्ली कैपिटल्स नए बदलावों के साथ कितनी सफलता हासिल कर पाती हैं या नहीं। लखनऊ सुपर जायंट्स में

रहते हुए ऋषभ को आईपीएल में सबसे ज्यादा 27 करोड़ रुपये की राशि मिली थी। हालांकि दिल्ली कैपिटल्स में वापसी के बाद उनका वेंतन घटकर 15 करोड़ रुपये रह गया है। डिविलियर्स के अनुसार पिछले सत्र में ऋषभ ने कई बार संकेत दिये थे कि वह दो सत्र के माहौल से खुश नहीं हैं। टीम प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ के साथ भी उनका तालमेल नहीं था। कप्तान के तौर पर वह लखनऊ सुपर जायंट्स में असफल रहे थे। ऋषभ के दिल्ली से बुढ़ने के अलावा भी टीम में कई अन्य बदलाव इसके तहत पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली एक बार फिर टीम के क्रिकेट निदेशक की जिम्मेदारी संभाल

सकते हैं, जबकि पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह के बल्लेबाजी कोच बनने की संभावनाएं हैं। डिविलियर्स हालांकि लगातार बदलावों को सही नहीं मानते हैं। उनका कहना है कि ज किसी टीम में बार-बार मालिक, कोच और प्रबंधन बदलते हैं तो खिलाड़ियों के लिए स्थिर माहौल बनाना मुश्किल हो जाता है। उनका मानना है कि ऐसी स्थिति में खिलाड़ियों के लिए पूरी तरह सकारात्मक मानसिकता बनाए रखना आसान नहीं होता है। उन्होंने यह भी कहा कि ऋषभ के लिए कम वेंतन पर खेलना शायद मानसिक रूप से राहत देने वाला साबित हो सकता है। इससे उन पर अपेक्षाकृत कम दबाव रहेगा और वह अपने स्वाभाविक खेल पर ज्यादा ध्यान दे सकेंगे। हालांकि डिविलियर्स ने यह भी माना कि दिल्ली कैपिटल्स को लगातार सफल टीम बनाने के लिए प्रबंधन में स्थिरता और स्पष्ट रणनीति की जरूरत होगी।